Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-109

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018
B.A. (with Yoga Science) (Semester : First)
Philosophy (Paper : First)
Indian Logic-I

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड–क
(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारतीय तर्कशास्त्र के स्वरूप की विवेचना कीजिए।
   Discuss the nature of Indian Logic.
2. प्रमाण के अर्थ एवं उसके उद्देश्य को बताइये।
   Discuss the meaning of parman and its objectives.
3. प्रमाण्यवाद की व्याख्या कीजिए।
   Explain Pramanyavaad.
4. प्रत्यक्ष प्रमाण की व्याख्या कीजिए।
   Explain pratyaksha pramana.
5. शब्द प्रमाण पर एक नोट लिखिए।
   Write a note on Shabda Pramana.

Section - B / खण्ड–ख
(Short Answer Type Questions) /(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. **(4×5=20)**

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. न्याय के अर्थ को बताइये। भारतीय तर्कशास्त्र में इसके महत्त्व को बताइये।
   Discuss the meaning of Nyaya and its importance in Indian Logic.
2. प्रमाण के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।
   Explain the different types of Pramana.
3. स्वार्थ अनुमान एवं परार्थ अनुमान की व्याख्या कीजिए।
   Explain Swarth Anuman and Pararth Anuman.
4. व्याप्ति की परिभाषा दीजिए। इसके प्रकारों को बताइये।
   Define vyapti and its Kinds.

5. 'पंचावयव' की व्याख्या एवं विवेचना कीजिए।
Explain and discuss Panchavayava.

6. उपमान प्रमाण की विवेचना कीजिए।
Discuss Upmana Praman.

Section - C / खण्ड–ग
(Objective Type Questions) /(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. **All** the questions of this section are compulsory. **(10×01=10)**

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'न्याय सूत्र' पुस्तक के लेखक है .....
(अ) गौतम (ब) गंगेश
(स) वात्सायन (द) उदयन
Who is the Author of 'Nayaya Sutra' …….
(A) Gautam (B) Gangesh
(C) Vatsyayana (D) Udayan

2. ज्ञान के प्रकार है .....
(अ) चार (ब) तीन
(स) पांच (द) दो
Kinds of Knowledge are ……..
(A) Four (B) Three
(C) Five (D) Two

3. अप्रमा के भेद है .....
(अ) तीन (ब) चार
(स) पांच (द) दो
Kinds of Aprama are ……..
(A) Three (B) Four
(C) Five (D) Two

4. गौतम के अनुसार अनुमान के प्रकार हैं .....
(अ) चार (ब) तीन
(स) दो (द) पांच
Kinds of Anuman according to Gautam are ……
(A) Four (B) Three
(C) Two (D) Five

5. चावांक दर्शन किसको स्वीकार नहीं करता .....
(अ) प्रत्यक्ष (ब) उपमान
(स) अनुमान (द) ब एवं स दोनों
Which one is not-accepted by Charvaka ……..
(A) Pratyaksha (B) Upmana
(C) Anumana (D) Both B and C

6. न्याय दर्शन को कहते हैं .....
(अ) न्याय विद्या (ब) तर्कशास्त्र
(स) अ एवं ब दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
Nyaya Darshan is known as ……
(A) Nyaya Vidya (B) Tarkashastra
(C) Both A and B (D) None of these

7. शब्द प्रमाण के प्रकार हैं .....
(अ) पांच (ब) दो
(स) तीन (द) चार

Kinds of Shabda Pramana are ……

(A) Five (B) Two

(C) Three (D) Four

8. परतः प्रमाण्यवाद स्वीकार किया गया है .....

(अ) मीमांसा दर्शन द्वारा (ब) चावाक दर्शन द्वारा

(स) न्याय दर्शन द्वारा (द) इनमें से कोई नहीं

Partah Pramanvad is accepted by ……

(A) Mimansa Philosophy (B) Charvaka Philosophy

(C) Nyaya Philosophy (D) None of these

9. न्याय दर्शन में कितने पदार्थ स्वीकार किये गये है .....

(अ) दस (ब) सोलह

(स) आठ (द) सात

How many Padartha's are accepted by Nyaya Philosophy ……

(A) Ten (B) Sixteen

(C) Eight (D) Seven

10. व्याप्ति के प्रकार हैं .....

(अ) तीन (ब) चार

(स) दो (द) पांच

Kinds of Vyapti are ……..

(A) Three (B) Four

(C) Two (D) Five

----------x----------